VIDEO Play AUDIO

भजन

तर्ज..कभी हिजाब में या ख्याल में

है ख्याल ही बस ख्वाब में, जो दिखाया रूहों को आपने
इस पर रूहों की नजर पड़ी, जो नजर फिराई है आपने

1) हम बैठे आपके रूबरू, लगते हैं आपसे दूर क्यूं
कुछ कह सके ना सुन सके, ऐसा किया हमें आपने

2) इस खेल में खेल को छोड़ दे, गर आप नजर ये मोड़ दें
ये बस नज़र का ही खेल है, जो दिखाया नज़र से आपने

3) चाहा आपने आये हम यहाँ, चाहो तो जाएँगे हम पिया
तेरी वाणी से ये जान लिया, जो बताया है पिया आपने

4) सब जानते हो तुम पिया, नहीं कहने की कोई बात है
हम कुछ कहें या चुप रहें, सब कुछ किया है ये आपने